पाठ 23. भारत-दर्शन

पाठ का उद्देश्य

यह पाठ भारत के अद्भुत सौंदर्य की एक झलक प्रस्तुत कर रहा है। इस पाठ का उद्देश्य बच्चों को अपने देश भारत के कोने-कोने में बसी भिन्न-भिन्न सभ्यता-संस्कृति की धरोहर से अवगत कराना है। यह पाठ भारत के प्राकृतिक नज़ारों को हमारे निकट ले आया है।

पाठ का सारांश

भारत प्राकृतिक सौंदर्य का खज़ाना है। भारत भ्रमण कराता हुआ यह पाठ हमें लाचुंग, सापुतारा, जांस्कर तथा देवीकुलम की सैर पर ले जाएगा। लाचुंग सिक्किम राज्य का एक प्रमुख शहर है। 'लाचुंग मठ' यहाँ का प्रमुख दर्शनीय स्थल है। युमथांग घाटी से हिमालय की खूबसूरती को निहारा जा सकता है। सापुतारा गुजरात का एक पर्वतीय स्थल है। यहाँ बहने वाली सर्पगना नदी बहुत पवित्र मानी जाती है। वंशदा राष्ट्रीय उद्यान की सैर करना भी रोमांचकारी लगता है। जांस्कर घाटी कारगिल से 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह दुनिया के सबसे ठंडे स्थानों में से एक है। बर्फ़ और हिमखंडों से ढकी नदी में राफ़्टिंग का मज़ा लिया जा सकता है। देवीकुलम इडुक्की ज़िले में स्थित है। देवीकुलम और इसके आस-पास चाय और मसालों के बागानों को बड़ी सुंदरता से सजाया गया है। यहाँ कई जलप्रपात देखने लायक हैं।

अध्यापन संकेत

पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ के महत्वपूर्ण अंशों को समझाएँ। कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- पूछें, तुम अपने शहर से दूर कहाँ-कहाँ घूमने जा चुके हो? वहाँ की कुछ विशेषताएँ भी बताइए।
- भारत को 'अतुल्य भारत' क्यों कहा जाता है?
- भिन्न-भिन्न स्थानों पर घूमकर हम क्या जान पाते हैं?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।